भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 3917
सोमवार, 18 अगस्त, 2025/27 श्रावण, 1947 (शक)

तमिलनाडु में मॉडल करियर केंद्र

3917. श्री सी. एन. अन्नादुरई:
श्री जी. सेल्वम:
श्री नवसकनी के.:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) तमिलनाडु में राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) परियोजना के अंतर्गत स्थापित मॉडल करियर केंद्रों (एमसीसी) की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) तमिलनाडु में नौकरी चाहने वालों को इन एमसीसी द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रमुख सेवाओं और उद्देश्यों का ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले दो वर्षों के दौरान तमिलनाडु में एमसीसी के माध्यम से पंजीकृत और नियोजित नौकरी चाहने वालों की कुल संख्या का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार द्वारा इन केंद्रों में नियमित रूप से करियर परामर्श और कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और यदि हाँ, तो ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में पहुँच सहित इसका ब्यौरा क्या है;

(ङ) वित्त वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान तमिलनाडु में मॉडल करियर केंद्रों द्वारा आयोजित रोजगार मेलों या प्लेसमेंट ड्राइव की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(च) इन आयोजनों के माध्यम से नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की संख्या का ब्यौरा क्या है; और

(छ) उक्त रोजगार मेलों में महिलाओं और हाशिए पर रह रहे समूहों की भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (छ): भारत सरकार का श्रम और रोजगार मंत्रालय, राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल चला रहा है, जो निजी और सरकारी क्षेत्रों की नौकरियों की जानकारी, ऑनलाइन और ऑफलाइन रोजगार मेलों की जानकारी, नौकरी खोज और मिलान, करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों की जानकारी, रोजगार क्षमता वृद्धि कार्यक्रम आदि सहित करियर से संबंधित सेवाएं एक डिजिटल प्लेटफॉर्म [www.ncs.gov.in] के माध्यम से प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप समाधान है।

एनसीएस योजना के उद्देश्यों में से एक उद्देश्य रोजगार कार्यालयों को मॉडल करियर केंद्रों (एमसीसी) में बदलना है। ये केन्द्र स्थानीय युवाओं तथा रोजगार चाहने वाले अन्य व्यक्तियों को प्रौद्योगिकी के माध्यम से रोजगार अवसर तथा करियर परामर्श एवं प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। इस प्रकार, ये मॉडल करियर केन्द्र (एमसीसी) राज्यों एवं अन्य संस्थानों के सहयोग से रोजगार चाहने वालों और नियोक्ताओं के लिए आउटरीच कार्यकलापों के माध्यम से रोजगार मेलों के आयोजन, नियोक्ताओं को संगठित करने, स्थानीय स्तर पर करियर परामर्श प्रदान करने आदि के लिए एक केन्द्र के रूप में कार्य करते हैं। अब तक, तमिलनाडु राज्य में 20 मॉडल करियर केंद्रों को मंजूरी दी जा चुकी है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान, तमिलनाडु राज्य में (एमसीसी सहित) 7.6 लाख से अधिक रोजगार चाहने वालों ने एनसीएस पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। इसके अलावा, कुल 515 रोज़गार मेले आयोजित किए गए हैं। एनसीएस पोर्टल पर अंतिम भर्ती आँकड़े जारी करना अनिवार्य नहीं है, हालाँकि, इसी अवधि में रोज़गार मेलों के दौरान 25,000 से अधिक रोजगार चाहने वालों (महिलाओं और हाशिए पर रह रहे समूहों सहित) को चयनित किया गया है।

इसके अलावा, एनसीएस पोर्टल अपने पंजीकृत उपयोगकर्ताओं (ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों सहित) को ऑनलाइन/ऑफलाइन करियर परामर्श और व्यावसायिक मार्गदर्शन सेवाएं भी प्रदान करता है। एनसीएस पोर्टल पर 1182 से अधिक करियर परामर्शदाता शामिल किए गए हैं। अब तक 41 लाख से अधिक ऑनलाइन/ऑफलाइन करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए जा चुके हैं।

एनसीएस पोर्टल स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) के साथ एकीकृत है जिसे नौकरियों और उद्यमशीलता के अवसरों हेतु एक ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच के माध्यम से व्यक्तियों की स्किलिंग, रि-स्किलिंग और अप-स्किलिंग के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन और विकसित किया गया है। एनसीएस पोर्टल को एसआईडीएच के साथ एकीकृत करने से एसआईडीएच पर नौकरी चाहने वाले कुशल व्यक्तियों (रोजगार/बेरोजगार) के लिए एनसीएस पोर्टल का लाभ उठाने और नौकरी चाहने वालों (रोजगार/बेरोजगार) के लिए एसआईडीएच की कौशल सेवाओं का लाभ उठाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

इसके अलावा, सरकार कौशल भारत मिशन (एसआईएम) को लागू कर रही है जिसका उद्देश्य कौशल विकास केंद्रों/विद्यालयों /महाविद्यालयों संस्थानों आदि के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआईज) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) आदि के तहत स्किलिंग, रि-स्किलिंग और अप-स्किलिंग प्रशिक्षण प्रदान करना है। एसआईएम का उद्देश्य भारत के युवाओं को उद्योग से संबंधित कौशल प्रदान करके भविष्य के लिए सक्षम बनाना है।

******